

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF WOMEN & CHILD DEVELOPMENT

**RAJYA SABHA**  
**STARRED QUESTION NO.109**  
TO BE ANSWERED ON 29.07.2021

**MALNUTRITION IN THE COUNTRY**

109. SMT. PHULO DEVI NETAM:

Will the Minister of WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT be pleased to state:

- (a) whether the Ministry is aware that 16 States reported an increase in underweight children and 12 States reported severely wasted children according to the National Family Health Survey-5 Phase 1 report;
- (b) if so, the reasons for Mission Poshan 2.0 targeting only 112 aspirational districts while under nutrition and malnutrition related issues are not limited to only these districts;
- (c) whether Government is aware that there is a 18.5 per cent reduction in the budget for Mission Poshan 2.0 in 2021-22 compared to the budget in 2020-21 for erstwhile schemes which it merged; and
- (d) if so, the reasons therefor?

**ANSWER**

MINISTER OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT  
(SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI)

(a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

\*\*\*\*

**Statement referred to in reply to Part (a) to (d) of Rajya Sabha Starred Question No.109 for 29.07.2021 by Smt. Phulo Devi Netam regarding Malnutrition in the country.**

(a) The data on nutrition indicators is captured under the National Family Health Surveys conducted periodically by the Ministry of Health and Family Welfare. The NFHS-4 was conducted in 2015-16 and NFHS-5 was conducted in 2019-20. State/UT wise details of stunting, wasting and underweight among children under 5 years, as per NFHS-4 and NFHS-5 is at Annexure I. The recently released report of NFHS-5 is available only for 22 States/UTs.

A drastic change in the status of child nutrition indicators like severely wasted and stunting, which are chronic in nature, is unlikely to happen in short interval of time. As reported under NFHS-5, nutritional status has improved in many States despite the short interval of four years between the survey rounds. Furthermore, all the NFHS-5 point estimates for the nutritional indicators fall within the confidence interval and for most states no significant change is witnessed.

(b) POSHAN Abhiyaan was launched on 8<sup>th</sup> March, 2018 across the country with an objective to reduce malnutrition and achieve improvement in nutritional status of Children from 0-6 years, Adolescent Girls, Pregnant Women and Lactating Mothers in a time bound manner.

Mission Poshan 2.0 (Saksham Anganwadi and Poshan 2.0) announced in budget 2021-2022 is an integrated nutrition support programme, to strengthen nutritional content, delivery, outreach and outcomes with focus on developing practices that nurture health, wellness and immunity to disease and malnutrition. Mission Poshan 2.0 has been approved for 5 years (2021-22 to 2025-26) and realigns nutrition centric sub-schemes namely Anganwadi Services (Supplementary Nutrition Programme - SNP), Scheme for Adolescent Girls, and POSHAN Abhiyaan.

Mission Poshan 2.0 will target beneficiaries including pregnant women and lactating mothers, children in the age group of 0-6 years across all States/UTs and adolescent girls in the age group of 14-18 years in Aspirational Districts and NER.

(c) & (d) For the year 2020-21, the Budget allocation for the Schemes comprising Anganwadi Services, POSHAN Abhiyan and Scheme for Adolescent Girls was ₹24,482 crore and the Revised Budget allocation was ₹17902.31 crore. In 2021-22, after rationalization, these three schemes have been clubbed and named as 'Saksham Anganwadi and Poshan 2.0' having budgetary provision of ₹20,105 crore which is 12.3% more than the Revised Budget allocation of ₹17902.31 crore. Further, the expenditure of funds in respect of above three schemes was ₹16233.35 crore which clearly indicates that adequate funds were available to meet the demands of the States/UTs. In order to ensure proper and effective utilisation of funds under Mission Poshan 2.0, a robust ICT enabled platform named Poshan Tracker has been designed to capture real time data on implementation and monitoring of Anganwadi Services across the country. Additional funds, if required, would be sought at R.E stage for the year 2021-22 from the Ministry of Finance.

\*\*\*\*\*

## Annexure I

**Statement referred to in reply to Part (a) of Rajya Sabha Starred Question No.109 for 29.07.2021 by Smt. Phulo Devi Netam regarding Malnutrition in the country.**

**Stunting, Wasting and Underweight (NFHS-4 and NFHS-5)**

S.No.	State/UT	Stunting		Wasting		Underweight	
		NFHS-4	NFHS-5	NFHS-4	NFHS-5	NFHS-4	NFHS-5
1	Andaman & Nicobar Islands	23.3	22.5	18.9	16	21.6	23.7
2	Andhra Pradesh	31.4	31.2	17.2	16.1	31.9	29.6
3	Assam	36.4	35.3	17	21.7	29.8	32.8
4	Bihar	48.3	42.9	20.8	22.9	43.9	41
5	Dadra & Nagar Haveli & Daman & Diu	37.2	39.4	26.7	21.6	35.8	38.7
6	Goa	20.1	25.8	21.9	19.1	23.8	24
7	Gujarat	38.5	39	26.4	25.1	39.3	39.7
8	Himachal Pradesh	26.3	30.8	13.7	17.4	21.2	25.5
9	Jammu & Kashmir	27.4	26.9	12.2	19	16.6	21
10	Karnataka	36.2	35.4	26.1	19.5	35.2	32.9
11	Kerala	19.7	23.4	15.7	15.8	16.1	19.7
12	Lakshadweep	30.9	30.5	9.3	17.5	18.7	20.4
13	Ladakh	26.8	32	13.7	17.4	23.6	25.8
14	Maharashtra	34.4	35.2	25.6	25.6	36	36.1
15	Meghalaya	28.9	23.4	6.8	9.9	13.8	13.3
16	Manipur	43.8	46.5	15.3	12.1	28.9	26.6
17	Mizoram	28.1	28.9	6.1	9.8	12	12.7
18	Nagaland	28.6	32.7	11.3	19.1	16.7	26.9
19	Sikkim	29.6	22.3	14.2	13.7	14.2	13.1
20	Telangana	28	33.1	18.1	21.7	28.4	31.8
21	Tripura	24.3	32.3	16.8	18.2	24.1	25.6
22	West Bengal	32.5	33.8	20.3	20.3	31.6	32.2
23	Arunachal Pradesh	29.4	-	17.3	-	19.4	-
24	Chandigarh	28.7	-	10.9	-	24.5	-
25	Chhattisgarh	37.6	-	23.1	-	37.7	-
26	Delhi	31.9	-	15.9	-	27	-
27	Haryana	34	-	21.2	-	29.4	-
28	Jharkhand	45.3	-	29	-	47.8	-
29	Madhya Pradesh	42	-	25.8	-	42.8	-
30	Orissa	34.1	-	20.4	-	34.4	-
31	Puducherry	24	-	23.8	-	22.7	-
32	Punjab	25.7	-	15.6	-	21.6	-
33	Rajasthan	39.1	-	23	-	36.7	-
34	Tamil Nadu	27.1	-	19.7	-	23.8	-
35	Uttar Pradesh	46.3	-	17.9	-	39.5	-
36	Uttarakhand	33.5	-	19.5	-	26.6	-

भारत सरकार  
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय  
राज्य सभा  
तारांकित प्रश्न संख्या \*109  
दिनांक 29 जुलाई, 2021 को उत्तर के लिए

देश में कुपोषण की समस्या

\*109. श्रीमती फुलो देवी नेताम:

क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय को इस बात की जानकारी है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की चरण 1 की रिपोर्ट के अनुसार 16 राज्यों में सामान्य से कम वजन वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी होने और 12 राज्यों में अत्यधिक क्षीणकाय बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी होने की सूचना मिली है;

(ख) यदि हां, तो मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत केवल 112 आकांक्षी जिलों को ही लक्षित किए जाने के क्या कारण हैं जबकि अल्पपोषण और कुपोषण की समस्या केवल इन्हीं जिलों तक सीमित नहीं है;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि वर्ष 2021-20 में मिशन पोषण 2.0 के बजट में वर्ष 2020-21 में पूर्ववर्ती योजनाओं, जिन्हें विलय कर दिया गया था, के लिए आंबटित बजट की तुलना में 18.5 प्रतिशत की कटौती की गई है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क) से (घ) : विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

\*\*\*\*\*

'देश में कुपोषण की समस्या' के संबंध में श्रीमती फुलो देवी नेताम द्वारा दिनांक 29 जुलाई, 2021 को राज्य सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या 109 के भाग(क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) : पोषण संकेतकों संबंधी आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आवधिक रूप से संचालित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों के तहत संग्रहीत किए जाते हैं। एनएफएचएस-4 वर्ष 2015-16 में और एनएफएचएस-5 वर्ष 2019-20 में संचालित किया गया। एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस-5 के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में ठिगनेपन, दुबलेपन और अल्पवज़न का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुलग्नक-1 में दिया गया है। एनएफएचएस-5 की हाल ही में जारी रिपोर्ट केवल 22 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के संबंध में उपलब्ध है।

बाल पोषण सूचकांकों जैसे अत्यधिक दुबलेपन और ठिगनेपन जो पुरानी प्रकृति के हैं, की स्थिति में भारी बदलाव कुछ समय के अंतराल में होना संभव नहीं है। एनएफएचएस-5 के तहत दी गई सूचना के अनुसार, सर्वेक्षण दौरों के बीच 4 वर्षों के छोटे अंतराल के बावजूद बहुत से राज्यों की पोषण स्थिति में सुधार हुआ है। इसके अलावा, पोषण संकेतकों के सभी एनएफएचएस-5 बिंदु अनुमान विश्वास अंतराल के भीतर आते हैं और अधिकांश राज्यों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं देखा गया है।

(ख) : कुपोषण कम करने और 0-6 वर्ष के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार हासिल करने के उद्देश्य से देश भर में 08 मार्च, 2018 को पोषण अभियान की शुरुआत की गई थी।

बजट 2021-2022 में घोषित मिशन पोषण 2.0 (सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0) स्वास्थ्य, कल्याण और रोग तथा कुपोषण से प्रतिरक्षा पोषित करने वाली पद्धतियां विकसित करने पर बल देने सहित पोषण सामग्री, प्रदायगी, पहुंच और परिणामों को सशक्त बनाने का एक समेकित पोषण सहायता कार्यक्रम है। मिशन 2.0 का 5 वर्षों(2021-22 से 2025-26) के लिए अनुमोदन किया गया है और इसमें आंगनवाड़ी सेवाएं(पूरक पोषण कार्यक्रम-एसएनपी), किशोरी स्कीम और पोषण अभियान नामक पोषण केंद्रित उप-स्कीमों को फिर से बनाया गया है।

मिशन पोषण 2.0 में सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं, 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों और आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष की आयु की किशोरियों सहित लाभार्थियों को लक्षित किया जाएगा।

(ग) और (घ) : वर्ष 2020-21 के लिए आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरी स्कीम सहित स्कीमों के लिए बजट आबंटन 24,482 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021-22 में युक्तिकरण के बाद, इन तीनों स्कीमों को संयोजित करके 'सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' नाम दिया गया है जिसका बजटीय प्रावधान 20,105 करोड़ रुपये है। देशभर में आंगनवाड़ी सेवाओं के कार्यान्वयन और निगरानी पर रीयल टाईम डाटा एकत्र करने के लिए पोषण ट्रैकर नामक एक सशक्त आईसीटी युक्त प्लेटफार्म तैयार किया गया है। यह आंगनवाड़ी केंद्र, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और अन्य लाभार्थियों की गहन निगरानी करने में सहायक होगा। आवश्यकता पड़ने पर संशोधित अनुमान चरण में वित्त मंत्रालय से अतिरिक्त निधियों की मांग की जाएगी।

\*\*\*\*\*

'देश में कुपोषण की समस्या' के संबंध में श्रीमती फुलो देवी नेताम द्वारा दिनांक 29 जुलाई, 2021 को पूछे जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 109 के भाग(क) के उत्तर में संदर्भित विवरण

ठिगनापन, दुबलापन और अल्पवज़न (एनएफएचएस-4 और एनएफएचएस -5)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	ठिगनापन		दुबलापन		अल्पवज़न	
		एनएफएचएस-4	एनएफएचएस-5	एनएफएचएस-4	एनएफएचएस-5	एनएफएचएस-4	एनएफएचएस-5
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	23.3	22.5	18.9	16	21.6	23.7
2	आंध्र प्रदेश	31.4	31.2	17.2	16.1	31.9	29.6
3	असम	36.4	35.3	17	21.7	29.8	32.8
4	बिहार	48.3	42.9	20.8	22.9	43.9	41
5	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	37.2	39.4	26.7	21.6	35.8	38.7
6	गोवा	20.1	25.8	21.9	19.1	23.8	24
7	गुजरात	38.5	39	26.4	25.1	39.3	39.7
8	हिमाचल प्रदेश	26.3	30.8	13.7	17.4	21.2	25.5
9	जम्मू और कश्मीर	27.4	26.9	12.2	19	16.6	21
10	कर्नाटक	36.2	35.4	26.1	19.5	35.2	32.9
11	केरल	19.7	23.4	15.7	15.8	16.1	19.7
12	लक्षद्वीप	30.9	30.5	9.3	17.5	18.7	20.4
13	लद्दाख	26.8	32	13.7	17.4	23.6	25.8
14	महाराष्ट्र	34.4	35.2	25.6	25.6	36	36.1
15	मेघालय	28.9	23.4	6.8	9.9	13.8	13.3

**श्री उपसभापति:** श्रीमती फूलो देवी नेतमा...**(व्यवधान)**...प्लीज़ अपनी सीट पर जाइए और सवाल पूछिए।...**(व्यवधान)**... आप वैल में हैं।...**(व्यवधान)**... यह सवाल पूछने का अवसर है।...**(व्यवधान)**...जो भी माननीय सदस्य सीटी बजा रहे हैं...**(व्यवधान)**... मुझे उनका...**(व्यवधान)**... आप सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं।...**(व्यवधान)**...

**SHRI G.K. VASAN:** Sir, Mission POSHAN announced in the Budget of 2021-22 is an integrated support programme. ...**(Interruptions)**... The main objective of this POSHAN programme is to strengthen nutritional content, delivery outreach, and developing practices that nurture health, wellness and immunity to disease on account of malnutrition. ...**(Interruptions)**... I would like to inform the Minister that after Covid-19, it is very unfortunate that pregnant women, lactating women and children are suffering on account of non-availability of quality food. Is there any effort that the Government is having, to improve healthy food system, especially after Covid, to this type of people in the society? ...**(Interruptions)**... I would also like to say that only 35 per cent families have access to piped drinking water. I request the Minister to take care of the children in Anganwadi. ...**(Interruptions)**...

**SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI:** Sir, I am grateful to the hon. Member for his concerns with regard to pregnant and lactating women in the country as well as the nutritional standards of our children. ...**(Interruptions)**... I would particularly bring to his attention, since he has expressed concern, during the pandemic, that the hon. Prime Minister wanted to ensure that the institutional delivery of pregnant women is assured. ...**(Interruptions)**... Under his leadership, over Rs.6,000 crore have been directly transferred to the bank accounts of over 2,20,000 pregnant women in the country so that the institutional deliveries can be ensured. ...**(Interruptions)**... Additionally, since the pandemic brought about new challenges administratively, the Ministry launched, in March, a POSHAN tracker wherein we could monitor Anganwadi beneficiaries. Today, I am happy to say that ...**(Interruptions)**...

**श्री उपसभापति:** जो भी माननीय सदस्य सीटी बजा रहे हैं, ...**(व्यवधान)**... मुझे उनको name करना होगा।...**(व्यवधान)**...

**SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI:** Today, we digitally map these beneficiaries and services are to be allocated in over 13.5 lakh Anganwadis across the country. We are continuously making efforts to serve lactating mothers, children...**(Interruptions)**...

**श्री उपसभापति:** जो भी माननीय सदस्य सीटी बजा रहे हैं,...**(व्यवधान)**...

**श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा:** उपसभापति महोदय, मैं माननीय प्रधान मंत्री जी को धन्यवाद देती हूँ कि वे लगातार कुपोषण पर काम कर रहे हैं।...**(व्यवधान)**... मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूँ कि क्या किसी अन्य योजना के माध्यम से भी देश को कुपोषण से मुक्त करने का विचार किया जा रहा है? ...**(व्यवधान)**...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी :** उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सांसद को बताना चाहती हूँ कि भारत सरकार के 'पोषण अभियान' में लगभग 15 विभाग समन्वय से काम कर रहे हैं।...(व्यवधान)... इसमें हेल्थ मिनिस्ट्री, पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ जो-जो मंत्रालय बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर कर सकते हैं,...(व्यवधान)... आपसे पहले पूछे गए प्रश्न में Potable Drinking Water का भी उल्लेख किया गया था।...(व्यवधान)... हमने जल शक्ति मंत्रालय के साथ समन्वय करके हर आंगनवाड़ी में स्वच्छ पीने का पानी और टॉयलेट की व्यवस्था सुदृढ़ हो जाए, उसका भी प्रयास किया है।...(व्यवधान)... आपको जानकर खुशी होगी कि हमारे देश के इतिहास में माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में पहली बार हर आंगनवाड़ी में बच्चों के लिए Growth Monitoring Device को दिया गया है।...(व्यवधान)... आज मैं आपको इस सदन में बतलाना चाहती हूँ कि देश की साढ़े 13 लाख आंगनवाड़ियों में पहली बार मोबाइल सर्विस देने का, इन्स्ट्रुमेंट देने का काम अगर किसी ने किया, तो वे नरेन्द्र दामोदरदास मोदी हैं।...(व्यवधान)... अगर stadiometer और growth monitoring device देने का काम किसी ने किया, तो वे नरेन्द्र दामोदरदास मोदी हैं।...(व्यवधान)... पोषण और कुपोषण को लेकर 70 साल इस देश में मात्र चिंताएं और चर्चाएं रहीं, लेकिन जमीन पर ठोस काम करने वाले जो नेता हैं, मैं उनका नाम फिर कहती हूँ, वे नरेन्द्र दामोदरदास मोदी हैं।

**श्रीमती रमिलाबेन बेचारभाई बारा:** माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ।...(व्यवधान)... कुपोषण और क्षीणकाय के लिए सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं, फिर भी आज यह समस्या है।...(व्यवधान)... मैं माननीय मंत्री महोदया के माध्यम से यह जानना चाहती हूँ कि सबसे अधिक कुपोषण किस स्टेट में है और उसके लिए आप क्या करना चाहती हैं?

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** महोदय, आपके माध्यम से रमिलाबेन ने जो चिंता व्यक्त की है...(व्यवधान)... उन्होंने चाहा है कि मैं उसको इस मापदंड पर आंकूँ कि किस प्रदेश में सबसे बड़ी चुनौती है।...(व्यवधान)... इस सदन में इस सत्य को स्वीकारना होगा कि चुनौतियां देश भर में कई हैं, लेकिन हमारा राजनीतिक संकल्प चाहे कुछ भी हो...(व्यवधान)... संकल्प हमारा यह होना चाहिए कि कोई भी बच्चा कुपोषित न हो।...(व्यवधान)... किसी भी माता के पास पोषण को लेकर चुनौती न हो। इस प्रश्न की मुख्य धारा में नेशनल हाउसहोल्ड सर्वे का उल्लेख किया गया है।...(व्यवधान)... लेकिन 2016 से लेकर 2018 तक एक Comprehensive National Nutrition Survey भी हुआ।...(व्यवधान)... उसके अंतर्गत जब NFHS-4 में wastage का आंकड़ा आया, तो 2015 के आंकड़े में वह 21 प्रतिशत तक था।...(व्यवधान)... लेकिन CNNS का जो आंकड़ा है, उसमें वह घटकर 17 परसेंट हो गया है।...(व्यवधान)... stunting का जब 2015 में सर्वे हुआ था, तब वह 38.4 परसेंट था, जो घटकर CNNS में 34.7 हो गया है।...(व्यवधान)... 2015 के सर्वे में बच्चों में 58.6 परसेंट anaemia था, जिनकी उम्र पांच साल से कम थी।...(व्यवधान)... 2016-18 के सर्वे में वह घटकर 40 प्रतिशत हो गया है।

महोदय, आपके माध्यम से मैंने सदन में पहले भी आग्रह किया कि हर सांसद अपनी 'दिशा' की बैठक में विशेषकर कुपोषण को लेकर न सिर्फ प्रश्न कर सकते हैं, चिंता व्यक्त कर सकते हैं, बल्कि अपने क्षेत्र में आंगनवाड़ी के माध्यम से समाज को जागृत करके...(व्यवधान)... मैं एक बार फिर प्रधान मंत्री जी का उदाहरण देना चाहूंगी कि जब वे गुजरात के मुख्य मंत्री थे, तब



उन्होंने 'तिथि भोजन' की शुरुआत की। ...(व्यवधान)... हमारे घर में जो भी प्रसंग हो, चाहे वह जन्मदिन हो, चाहे शादी की सालगिरह हो, अगर कुछ पल या कुछ क्षण हम आंगनवाड़ी में जाकर बच्चों को फलाहार दे दें, ...(व्यवधान)... मुझे लगता है कि अपनी ओर से वह एक बहुत बड़ा योगदान होगा।

**श्री उपसभापति:** माननीय सदस्यगण, मैं राज्य सभा का एक Resolution आपको याद दिला रहा हूँ, जो हम सबके द्वारा पास है। ...(व्यवधान)... आज़ादी के गोल्डन जुबली ईयर पर...(व्यवधान)... This was the Resolution adopted by Rajya Sabha on 1<sup>st</sup> September, 1997. It read: "We, the Members of Rajya Sabha meeting in a specially convened Golden Jubilee Session of Parliament, commemorating the completion of half a century of freedom, do solemnly resolve that the prestige of the Parliament be preserved and enhanced, also by conscious and dignified conformity to the entire regime of Rules of Procedure and Directions of the Presiding Officers relating to orderly conduct of Business, more especially by - Will not disturb Question Hour; Will not go to the Well of the House; and Will not shout slogan in the House." यह राज्य सभा का आज़ादी की स्वर्ण जयंती पर पास किया हुआ प्रस्ताव है। ...(व्यवधान)... आप कम से कम इस पर self introspection कीजिए।...(व्यवधान)... आप कोविड केनियमों का भी पालन नहीं करते।... (व्यवधान)... देश में हम यह कैसा उदाहरण रख रहे हैं? ...(व्यवधान)... The House is adjourned to meet at 2.00 p.m.

---